KIDS WORLD SCHOOL, NAGPUR

SESSION – 2026-27
CLASS – VII
SUBJECT – HINDI

UNIT		Topic	Sub-Topic	Month		Suggested Ice- Breaking Activity	Teaching Pedagogy	Curricular Goals	Competency	Expected Learning Outcome	Assessment
No.	Name			Starting	Closing						
01	**कविता - 1 "माँ, कह एक कहानी"**			JULY DAY 1	JULY	**कहानी वाली उंगली** "माँ कहानी सुनाती है तो हम क्या करते हैं?" सब 1 उंगली कान पर रखें। "जब नींद आती है?" सब सिर टेबल पर टिका लें।	कविता का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा शब्दार्थ तथा भावार्थ का स्पष्टीकरण	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.1 विभिन्न बोध रणनीतियों (जैसे अनुमान, पूर्वानुमान आदि) का प्रयोग करके अलग-अलग पाठों को समझता है।	**भाव-प्रवण वाचन कौशल** बच्चे कविता को ममता, करुणा और दुलार के उचित आरोह-अवरोह के साथ सस्वर वाचन कर पाए।	
	कविता - 1 "माँ, कह एक कहानी"			DAY 2		**हाँ-हूँ वाला जवाब** आप माँ बनकर पूछो "बेटा सुन रहा है?" सबको 'हाँ-हूँ' में जवाब देना है, पर हर बार अलग अंदाज़ में - धीरे, नींद में, खुश होकर।	पूर्व भावार्थ कविता पर आधारित कविता के आगे का भाग का स्पष्टीकरण तथा पठन	CG-2 सामाजिक घटनाओं (जैसे गाँव के मेले, त्योहार, अवसर आदि) से जुड़े विचारों, भावनाओं और अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता विकसित करता है।	C-2.2 अपने परिवेश के विभिन्न पहलुओं पर अनुभव, भावनाएँ और विचार लिखित रूप में व्यक्त करता है।	**कठिन शब्दों का अर्थ ग्रहण** बच्चे 'वत्स', 'स्नेह', 'आँचल', 'बलिदान' जैसे शब्दों का अर्थ समझकर वाक्य में सही प्रयोग कर पाए।	
	कविता - 1 "माँ, कह एक कहानी"			DAY 3		**लोरी की धुन** सबको होठों से 'हम्म-हम-हम' की लोरी 10 सेकंड गानी है। फिर चुटकी बजाकर चुप। 2 बार कराओ।	पठन तथा स्पष्टीकरण द्वारा कहानी खत्म होने पर कहानी के बारे में प्रश्न - उत्तर चर्चा	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**नैतिक मूल्य अपनाना** बच्चे माँ के प्रति आदर, कृतज्ञता और सेवा-भाव को अपने दैनिक जीवन से जोड़कर 2-3 व्यवहार बता पाए।	

	कविता - 1 "माँ, कह एक कहानी"			DAY 4		**परियों की उड़ान** "कहानी में परी आई" बोलते ही सब 5 सेकंड हाथ से उड़ने का एक्शन करें। "परी गई" बोलो तो एकदम शांत बैठ जाएं।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
	कविता - 1 "माँ, कह एक कहानी"			DAY 5		**सवाल-पर-सवाल** आप बोलो "बच्चे ने पूछा..." क्लास चिल्लाए "माँ फिर क्या हुआ?" फिर आप "माँ ने कहा..." क्लास बोले "आगे सुनो"।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझता है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
02	**पाठ -2 तीन बुद्धिमान**			JULY DAY 1	JULY	**बुद्धि वाला सिग्नल** बोलें "पहला बुद्धिमान" → सब उंगली माथे पर रखें। "दूसरा बुद्धिमान" → छाती पर हाथ। "तीसरा बुद्धिमान" → दिल पर हाथ। आप नाम लो, बच्चे एक्शन करें।	बुद्धिमान का अर्थ समझा कर कहानी की शुरुआत , छात्राओं द्वारा पाठ पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-2 सामाजिक घटनाओं (जैसे गाँव के मेले, त्योहार, अवसर आदि) से जुड़े विचारों, भावनाओं और अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता विकसित करता है।	C-2.1 लेखन रणनीतियों का उपयोग करता है, जैसे विचारों का क्रमबद्ध प्रस्तुतिकरण, शीर्षक/उपशीर्षक बनाना, तथा स्पष्ट आरंभ और अंत वाले अनुच्छेद लिखना।	**पठन कौशल** बच्चे पाठ को सही विराम, आरोह-अवरोह और भाव के साथ पढ़ पाए, खासकर संवाद वाले हिस्से।	

	पाठ-2 तीन बुद्धिमान			DAY 2		**नाव वाला बैलेंस** सबको खड़े होकर नाव में बैठने की एक्टिंग करनी है। आप बोलो "लहर आई" → सब एक तरफ झुकें। "तूफ़ान" → सब बैठ जाएं। "किनारा आया" → सब ताली।	समस्या , परिणाम , उसपर उपाय तथा बुद्धिमानी का उपयोग इस पर चर्चा द्वारा आगे के पाठ का स्पष्टीकरण ,धैर्य का महत्व स्पष्ट करना।	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.1 गद्य, पद्य और नाटक के विभिन्न रूपों की पहचान करता है और उनकी सराहना करता है।	**तर्क शक्ति का विकास** बच्चे "क्या ज्यादा पढ़ा-लिखा होना ही समझदारी है?" प्रश्न पर हाँ/ना में तर्क देकर अपनी बात रख पाए।	
	पाठ-2 तीन बुद्धिमान			DAY 3		**असली-नकली बुद्धि** आप बोलो "किताबी कीड़ा" → सब चश्मा बनाने का एक्शन। "दुनियादारी समझे" → सब आँख मटकाएँ। "सच्चा समझदार" → सब ठोककर सलाम करें।	जल्दबाजी न करना , समझदारी बुद्धिमानी से किए गए कार्य का स्पष्टीकरण तथा उदाहरण के साथ पाठ पठन	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**किताबी और व्यावहारिक ज्ञान में अंतर करना** बच्चे उदाहरण देकर समझा पाए कि सिर्फ पढ़ना काफी नहीं, समय पर सही फैसला लेना ही असली बुद्धिमानी है।	
	पाठ-2 तीन बुद्धिमान			DAY 4		**सेकंड फैसला** सवाल दो "नाव डूब रही है, क्या फेंकोगे? सोना, किताब, या खाना?" 3-2-1 में चिल्लाकर जवाब देना है। फिर पूछो "क्यों?"	शिक्षा के साथ पाठ खत्म होने पर प्रश्न - उत्तर द्वारा चर्चा सत्र में बुद्धिमानी का महत्व स्पष्ट करना।	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**जीवन कौशल से जुड़ाव** बच्चे समझ पाए कि अपने दैनिक जीवन जहाँ किताबी ज्ञान से ज्यादा अक्ल काम आती है।	

	पाठ-2 तीन बुद्धिमान			DAY 5		**हाँ-ना वाला तर्क** आप बयान दो "ज्यादा पढ़ा-लिखा हमेशा जीतता है।" जो सहमत → खड़े हो जाएं। जो असहमत → बैठे रहें। 10 सेकंड में तर्क सोचें।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
	पाठ-2 तीन बुद्धिमान			DAY 6		**शब्द पकड़ो** पाठ के 3 की-वर्ड बोलो - "अनुभव", "घमंड", "समझदारी"। आप जब भी ये शब्द कहें, बच्चे उंगली खड़ी करें। 1 पैरा पढ़कर टेस्ट करो।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
03	**पाठ 3: फूल और काँटा**			AUGUST DAY 1	AUGUST	**फूल-काँटा स्विच** आप बोलो "फूल" → सब हथेली खोलकर मुस्कुराएँ। "काँटा" → सब मुट्ठी भींचकर 'आउच' बोलें।	फूल और कांटे का अंतर स्पष्ट करके कविता की शुरुआत करना ,शिक्षक - छात्रों द्वारा कविता पठन तथा उच्चारण , भावार्थ स्पष्टीकरण	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.2 पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ने के बाद मुख्य बिंदुओं की पहचान करता है, उसका सार प्रस्तुत करता है और सुसंगत प्रतिक्रिया देता है।	**सस्वर वाचन और भाव-प्रवणता** विद्यार्थी कविता को उचित लय, आरोह-अवरोह और हाव-भाव के साथ पढ़ता है तथा 'फूल' और 'काँटे' के भाव को आवाज़ में उतार पाता है।	

	पाठ 3: फूल और काँटा			DAY 2		**खुशबू vs चुभन** "फूल की खुशबू आई" → सब गहरी साँस खींचें और 'आह' करें। "काँटा चुभा" → सब उंगली पकड़कर चेहरा बनाएं।	फूल और काटे का अंतर स्पष्ट करके जीवन में आने वाली चीजों का संदर्भ उसके साथ छोड़ते हुए कविता का भावार्थ स्पष्ट करना।	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**केंद्रीय भाव की पहचान** बताता है कि कविता केवल फूल-काँटे की बात नहीं करती, बल्कि सुख-दुख, अच्छाई-बुराई के संतुलन का संदेश देती है।	
	पाठ 3: फूल और काँटा			DAY 3		**छूकर बताओ** आँख बंद। बोलो "सोचो फूल छू रहे हो" → चेहरे पर भाव लाओ। "अब काँटा छू लिया" → भाव बदलो।	सुरक्षा और सुंदरता दोनों का महत्व बताते हुए कविता के भावार्थ को स्पष्ट करना।	CG-5 चिंतनशीलता और अभिव्यक्ति कौशल बढ़ाना।	C-5.1 मेरे जीवन का फूल' और 'मेरे जीवन का काँटा' विषय पर अपने अनुभव जोड़कर मौखिक में विचार प्रकट करता है। दूसरों के अनुभव सुनकर सम्मानपूर्वक प्रतिक्रिया देता है।	**तुलना और विश्लेषण कौशल** फूल और काँटे की विशेषताओं की तुलना करके निष्कर्ष निकालता है कि सुरक्षा और सुंदरता के लिए दोनों का होना जरूरी है।	
	पाठ 3: फूल और काँटा			DAY 4		**वाक्य पूरा करो** आप बोलो "फूल कहता है मैं..." बच्चे चिल्लाएँ "कोमल हूँ"। आप बोलो "काँटा कहता है मैं..." बच्चे "रक्षा करता हूँ"।	कविता के द्वारा दिया गया संदेश प्रश्न - उत्तर तथा चर्चा सत्र द्वारा ज्ञान का पुनर्निरीक्षण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**जीवन-मूल्यों से जुड़ाव** अपने जीवन के सुखद 'फूल जैसे' और चुनौतीपूर्ण 'काँटे जैसे' अनुभवों को पहचानकर बताता है कि मुश्किलें भी हमें मजबूत बनाती हैं।	

	पाठ 3: फूल और काँटा			DAY 5		**ताली वाला न्याय** "अगर बगीचे से काँटे हटा दें?" जो हाँ में हैं 1 ताली। "फिर फूल सुरक्षित?" जो ना में हैं 2 ताली। गिनो और पूछो "क्यों?"	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
	पाठ 3: फूल और काँटा			DAY 6		**सेकंड चुनो** पूछो "जीवन में सिर्फ फूल चाहिए या काँटा भी ज़रूरी?" 3-2-1 में हाथ उठवाओ। फिर बोलो "काँटा क्यों?"	लेखन कार्य	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	**[ASSESSMENT AS LEARNING]**
04	**पाठ 4: पानी रे पानी**			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**बूँद-बूँद Freeze** आप बोलें "बूँद" → बच्चे 1 उंगली हवा में उठाएं। "घड़ा" → दोनों हाथ से घेरा बनाएं। "सूखा" → सब मुंह लटका लें।	पानी का महत्त्व समझाते हुए पाठ का पठन तथा स्पष्टीकरण	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.1 विभिन्न बोध रणनीतियों (जैसे अनुमान, पूर्वानुमान आदि) का प्रयोग करके अलग-अलग पाठों को समझता है।	**पर्यावरण से जुड़ाव** बच्चे पानी का बादल, नदी, खेत, किसान से संबंध जोड़कर बता सके कि पानी पूरी प्रकृति को कैसे जोड़ता है।	

	पाठ 4: पानी रे पानी			DAY 2		**पानी की आवाज़** 3-2-1 बोलकर सबको आँख बंद करके जीभ से 'टप-टप-टप' की आवाज़ 10 सेकंड निकालनी है। फिर पूछो "कैसा लगा?"	शहर और गाँव में होने वाले पानी के उपयोग तथा उसका नुकसान इस पर चर्चा करते हुए पाठ के आगे के भाग का स्पष्टीकरण पठान छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-2 सामाजिक घटनाओं (जैसे गाँव के मेले, त्योहार, अवसर आदि) से जुड़े विचारों, भावनाओं और अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता विकसित करता है।	C-2.2 अपने परिवेश के विभिन्न पहलुओं पर अनुभव, भावनाएँ और विचार लिखित रूप में व्यक्त करता है।	**केंद्रीय भाव की पहचान** कविता का मुख्य संदेश 'जल ही जीवन है, जल बचाओ' को पहचानकर अपने शब्दों में 2-3 वाक्य में सार लिखते है।	
	पाठ 4: पानी रे पानी			DAY 3		**नल बंद चालू** आप हाथ ऊपर = नल चालू, सब 'शशश' आवाज़ करें। हाथ नीचे = नल बंद, सब एकदम चुप। 4-5 बार तेज़-तेज़ कराओ।	पानी का सही उपयोग हम किस तरह से कर सकते हैं इसका समाधान बताते हुए आगे के पाठ का पठन तथा स्पष्टीकरण, छात्रों द्वारा पानी बचाने के उपाय पर चर्चा	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**संवेदनशीलता और मूल्य-बोध** पानी के बिना जीवन की कठिनाई समझकर जल के प्रति सम्मान और ज़िम्मेदारी का भाव प्रकट करते है।	
	पाठ 4: पानी रे पानी			DAY 4		**प्यास वाला चेहरा** बोलें "कल्पना करो 2 दिन से पानी नहीं मिला। 3-2-1 में प्यास वाला चेहरा बनाओ।" फिर "अब 1 घूँट पानी मिला - चेहरा बदलो।"	समस्या - समाधान विधि द्वारा पानी को बचाने के उपाय तथा मूल्य आधारित समापन	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.1 गद्य, पद्य और नाटक के विभिन्न रूपों की पहचान करता है और उनकी सराहना करता है।	**अनुभव से जुड़ाव** अपने घर में पानी की स्थिति पर बताते है कि वह खुद पानी बचाने के लिए क्या करते है।	

	पाठ 4: पानी रे पानी			DAY 5		**पानी के रूप** आप शब्द बोलें - "बादल" → सब हाथ ऊपर लहराओ। "नदी" → लहर की तरह हिलो। "आँसू" → उंगली से आँसू दिखाओ।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
	पाठ 4: पानी रे पानी			DAY 6		**Last Drop Game** सबको मुट्ठी बंद करने को बोलो - "ये आखिरी बूँद है। इसे गिराना नहीं।" 30 सेकंड मुट्ठी कसकर रखो। फिर पूछो "बचाना मुश्किल था?"	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
06	**कविता 6: गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ**			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**गिरिधर' वाला हूटर** आप कहें "जहाँ भी कुंडलिया में 'गिरिधर' शब्द आए, सब खड़े होकर हाथ जोड़ो और बोलो 'जय हो'।" फिर 1 कुंडलिया तेज पढ़िए।	कुंडलियाँ तथा रोला में अंतर स्पष्ट करते हुए कविता का पठन , शब्दों का अर्थ, सामूहिक तथा व्यक्तिगत पठन	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**शब्दार्थ ग्रहण और भाषा-संवर्धन** कुंडलियों में आए पुराने/अवधी शब्दों जैसे 'गिरिधर', 'बिनु', 'जग' का प्रसंगानुसार अर्थ समझकर आज की हिंदी में प्रयोग करते है।	
	कविता 6: गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ			DAY 2		**ताली वाला दोहा-रोला** बोलें "दोहा वाली 4 लाइन पर ताली, रोला वाली 2 लाइन पर डेस्क थपथपाओ।"	कठिन शब्द का अर्थ समझा कर कुंडलियों की व्याख्या कहानी के रूप में शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.1 गद्य, पद्य और नाटक के विभिन्न रूपों की पहचान करता है और उनकी सराहना करता है।	**तार्किक जुड़ाव और चिंतन** कुंडलिया में दी गई सीख को अपने अनुभव से जोड़ते है।	

	कविता 6: गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ			DAY 3		**नाप-तौल** हाथ से तराजू बनाओ। बोलो "अच्छी बात" → दायाँ पलड़ा भारी। "बुरी बात" → बायाँ पलड़ा। हर कुंडलिया के बाद तराजू हिलाओ।	कुंडलियों का नियम बता कर दोहा फिर रोला और फिर अंतिम भावार्थ का स्पष्टीकरण करते हुए कविता का आगे का पठान	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ाव** समझते है कि कुंडलिया छंद और नीति-काव्य हमारी साहित्यिक धरोहर हैं।	
	कविता 6: गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ			DAY 4		सेकंड सार 1 कुंडलिया पढ़ने के बाद बोलो "3-2-1, इसका सार 1 शब्द में चिल्लाओ।" मित्रता, घमंड, सत्संग - जो निकले।	प्रश्न - उत्तर तथा चर्चा सत्र द्वारा कुंडली और कविता में फरक स्पष्ट करना , कविता का समापन स्पष्टीकरण द्वारा	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**नीति और मूल्य की पहचान** हर कुंडलिया में छिपे जीवन-मूल्य - सच्ची मित्रता, परोपकार, अभिमान त्याग, सत्संग - को पहचानकर एक वाक्य में सार बताते है।	**[ASSESSMENT FOR LEARNING]**
	कविता 6: गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ			OCTOBER DAY 1	OCTOBER	**लाइन चोर सिपाही** आप 1 लाइन छोड़कर कुंडलिया पढ़ो। बच्चे चिल्लाएँ "लाइन चोरी हो गई" और छूटी लाइन बताएं।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	

	कविता 6: गिरिधर कविराय की कुंडलियाँ			DAY 2		**सच्चा-झूठा मित्र** आप बोलो "सच्चा मित्र" → सब गले मिलने का एक्शन। "झूठा मित्र" → सब पीठ फेर लें। मित्रता वाली कुंडलिया पर करो।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	**[ASSESSMENT OF LEARNING]**
05	**पाठ 5: नहीं होना बीमार**			NOVEMBER DAY 1	NOVEMBER	**कीटाणु भगाओ** आप बोलो "कीटाणु आया" → सब दोनों हाथ से 'छू-छू' करके भगाने का एक्शन। "साबुन आया" → सब हाथ मलने का	स्वस्थ और अस्वस्थ का अंतर पूछते हुए पाठ की शुरुआत , पाठ पठन तथा स्पष्टीकरण ,कठिन शब्द का अर्थ	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**स्वास्थ्य का महत्व समझना** बच्चे बता पाए कि 'रोकथाम इलाज से बेहतर है' का क्या मतलब है और स्वस्थ रहना क्यों जरूरी है।	
	पाठ 5: नहीं होना बीमार			DAY 2		**साफ vs गंदा** "साफ पानी" बोलो → सब गिलास पकड़कर पीने की एक्टिंग। "गंदा पानी" → सब नाक बंद करके मुँह फेर लें।	छात्रों द्वारा आगे के पाठ का पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण , बच्चे का पाठशाला ना जाने के कारण का वर्णन	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**साफ-सफाई और बीमारी का संबंध जोड़ना** बच्चे समझा पाए कि घर और आस-पास की सफाई से मलेरिया, डेंगू, हैजा जैसी बीमारियाँ कैसे रुकती हैं।	

	पाठ 5: नहीं होना बीमार			DAY 3		**सेकंड हाथ धुलाई** सब खड़े होकर हवा में हाथ धोएं और साथ गिनें 1 से 7। जो 7 से पहले रुका वो 'कीटाणु'।	बहाने बनाना मुसीबत का आमंत्रण हुआ यह समझते हुए छात्रों द्वारा पाठ के आगे का पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**जीवन कौशल का प्रयोग** बच्चे खाँसते-छींकते समय मुँह ढकना, मच्छरदानी लगाना जैसी बातों को रोज़मर्रा में लागू करने का तरीका बताते हैं।	
	पाठ 5: नहीं होना बीमार			DAY 4		**खाँसी वाला शिष्टाचार** "खाँसी आई" बोलते ही सब कोहनी में मुँह ढकें। जो हाथ से ढके वो आउट।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
	पाठ 5: नहीं होना बीमार			DAY 5		**अच्छा-बुरा खाना** आप शब्द बोलो "फल" → सब 'वाह'। "खुली चाट" → सब 'छी'। "उबला पानी" → 'वाह'। "नल का सीधा पानी" → 'छी'।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
07	**कविता 7: वर्षा बहार**			DECEMBER DAY 1	DECEMBER	**टप-टप साउंड** 3-2-1 बोलकर सब उंगलियों से डेस्क पर 'टप-टप-टप' बारिश की आवाज़ 10 सेकंड निकालें। आप बोलो "तेज़ बारिश" → सब तेज़ बजाएं। "रिमझिम" → धीरे।	छात्रों द्वारा कविता का पठन तथा कठिन शब्द , शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-2 सामाजिक घटनाओं (जैसे गाँव के मेले, त्योहार, अवसर आदि) से जुड़े विचारों, भावनाओं और अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता विकसित करता है।	C-2.1 लेखन रणनीतियों का उपयोग करता है, जैसे विचारों का क्रमबद्ध प्रस्तुतिकरण, शीर्षक/उपशीर्षक बनाना, तथा स्पष्ट आरंभ और अंत वाले अनुच्छेद लिखना।	**भावपूर्ण सस्वर वाचन** बच्चे वर्षा की उमंग, मस्ती और सजीवता को आवाज़ के उतार-चढ़ाव के साथ कविता का वाचन कर पाए।	

	कविता 7: वर्षा बहार			DAY 2		**बादल-बिजली-मेंढक** आप बोलो "बादल" → सब हाथ गोल घुमाएं। "बिजली" → उंगली से चमक का एक्शन। "मेंढक" → सब 'टर्र-टर्र' बोलें।	अलग-अलग ऋतुओं का वर्षा ऋतु के साथ संबंध तथा वर्षा ऋतु आने पर प्रकृति में होने वाले बदलाव का वर्णन	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**पर्यावरण से जुड़ाव** बच्चे समझा पाए कि बारिश का खेत, किसान, पशु-पक्षी और मानव जीवन से क्या संबंध है और क्यों किसान बारिश का इंतज़ार करता है।	
	कविता 7: वर्षा बहार			DAY 3		**छाता खोलो-बंद** काल्पनिक छाता हाथ में। "बारिश आई" → सब छाता खोलें और सिर पर रखें। "धूप निकली" → छाता बंद करके कंधे पर रखें।	वर्षा ऋतु और अन्य ऋतु में अंतर स्पष्ट करते हुए चर्चा सत्र द्वारा कविता का समापन	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**कविता का केंद्रीय भाव समझना** बच्चे बता पाए कि "वर्षा बहार" कविता में वर्षा ऋतु के आगमन से प्रकृति और जन-जीवन में क्या-क्या बदलाव आते हैं।	
	कविता 7: वर्षा बहार			DAY 4		**भीगो मत भीगो** आप बोलो "भीगो" → सब दोनों हाथ ऊपर करके भीगने की एक्टिंग। "मत भीगो" → सब सिकुड़कर छुप जाएं।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	

	कविता 7: वर्षा बहार			DAY 5		**बूँद कैच करो** सब ऊपर हाथ करके काल्पनिक बूँद कैच करें। आप बोलो "मुँह खोलो" → सब बूँद पीने की एक्टिंग। "मुट्ठी में रखो" → सब मुट्ठी बंद।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
08	**पाठ 8: बिरजू महाराज से साक्षात्कार**			JANUARY DAY 1	JANUARY	**घुँघरू की आवाज़** सब पैरों से 'छुम-छुम' की आवाज़ निकालें जैसे घुँघरू बंधे हों। आप बोलो "तेज़ लय" → सब तेज़ करें। "धीमी लय" → सब धीमा।	नृत्य कला के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए प्रश्न - उत्तर द्वारा पाठ की शुरुआत, पाठ का छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**गुरु-शिष्य परंपरा का महत्व** बच्चे बता पाए कि बिरजू महाराज ने कम उम्र में पिता से सीखना शुरू किया और यह परंपरा भारतीय संस्कृति में क्यों जरूरी है।	
	पाठ 8: बिरजू महाराज से साक्षात्कार			DAY 2		**तबला बोल** आप मुँह से बोलो "धा धिन धा"। बच्चे नकल करें। फिर "ति र कि ट" → सब साथ बोलें।	जीवन मूल्यों का आदर करते हुए कत्थक में बिरजू महाराज के किए गए कार्य का वर्णन , छात्रों द्वारा पठन तथा शिक्षक द्वारा स्पष्टीकरण	CG-2 सामाजिक घटनाओं (जैसे गाँव के मेले, त्योहार, अवसर आदि) से जुड़े विचारों, भावनाओं और अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता विकसित करता है।	C-2.1 लेखन रणनीतियों का उपयोग करता है, जैसे विचारों का क्रमबद्ध प्रस्तुतिकरण, शीर्षक/उपशीर्षक बनाना, तथा स्पष्ट आरंभ और अंत वाले अनुच्छेद लिखना।	**कला के प्रति सम्मान का भाव** बच्चे समझा पाए कि बिरजू महाराज ने पूरे जीवन साधना करके कथक को ऊँचाई दी। इससे बच्चों में कला और कलाकार के प्रति आदर विकसित हुआ। ।	

	पाठ 8: बिरजू महाराज से साक्षात्कार			DAY 3		**चक्कर वाला बैलेंस** सब अपनी जगह 1 गोल चक्कर लें हाथ ऊपर करके, जैसे कथक में लिया जाता है। फिर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।	विद्यार्थी जीवन में की जाने वाली गतिविधियों का महत्व तथा निरंतर अभ्यास का महत्व दर्शाते हुए पाठ का समापन ,स्पष्टीकरण तथा पठन	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है	C-1.2 पाठ को ध्यानपूर्वक पढ़ने के बाद मुख्य बिंदुओं की पहचान करता है, उसका सार प्रस्तुत करता है और सुसंगत प्रतिक्रिया देता है।	**प्रेरणा ग्रहण करना** बच्चे बिरजू महाराज के जीवन से लगन, मेहनत और अनुशासन का मूल्य सीखकर अपने लक्ष्य के लिए 2 बातें लिख पाए।	
	पाठ 8: बिरजू महाराज से साक्षात्कार			DAY 4		**भाव बताओ** आप बोलो "श्रृंगार" → सब लजाने का भाव चेहरे पर लाएं। "वीर" → सब मुट्ठी तानें। "करुणा" → सब दुखी चेहरा।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
	पाठ 8: बिरजू महाराज से साक्षात्कार			DAY 5		**ताल पर ताली** आप 1-2-3 ताली दो, 1 सेकंड रुककर फिर 1-2 ताली। बच्चे नकल करें। ये तीनताल की छोटी झलक है। 3 बार।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	

09	**कविता 9: चिड़िया**			JANUARY DAY 1	JANUARY	**चिड़िया की बोली** 3-2-1 बोलकर सब 'चीं-चीं-चीं' की आवाज़ 10 सेकंड निकालें। आप हाथ ऊपर करो → आवाज़ तेज़, हाथ नीचे → धीमी।	स्वतंत्रता तथा परतंत्र का अंतर स्पष्ट करते हुए कविता का पठन तथा स्पष्टीकरण, शब्दार्थ	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**पिंजरे और आज़ादी में तुलना करना** बच्चे पिंजरे में बंद चिड़िया और खुले आसमान में उड़ती चिड़िया के जीवन में अंतर को अपने शब्दों में समझा पाए।	**[ASSESSMENT AS LEARNING]**
	कविता 9: चिड़िया			DAY 2		**पंख फड़फड़ाओ** सब खड़े होकर दोनों बाँहें पंख की तरह 15 सेकंड फड़फड़ाएं। बोलो "उड़ चली" → सब उछलें और बैठ जाएं।	पक्षी द्वारा किए गए स्वतंत्रता का वर्णन कविता पठन तथा स्पष्टीकरण द्वारा	CG-5 शब्द को पहचानने और उन्हें मौखिक अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**प्रकृति से जुड़ाव** बच्चे चिड़िया, पेड़, घोंसला, आकाश के आपसी संबंध को समझकर बता पाए कि प्रकृति में सब कैसे एक-दूसरे पर निर्भर हैं।	
	कविता 9: चिड़िया			DAY 3		**पिंजरा vs आसमान** मुट्ठी बंद = पिंजरा, चेहरा दुखी। हाथ खोलो = आसमान, चेहरा खिलाओ।	स्वतंत्रता का महत्त्व दर्शाते हुए कविता द्वारा परतंत्र में होने वाली समस्या तथा परिणाम का वर्णन करते हुए कविता का समापन, पठन ,स्पष्टीकरण	CG-2 सामाजिक घटनाओं (जैसे गाँव के मेले, त्योहार, अवसर आदि) से जुड़े विचारों, भावनाओं और अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता विकसित करता है।	C-2.1 लेखन रणनीतियों का उपयोग करता है, जैसे विचारों का क्रमबद्ध प्रस्तुतिकरण, शीर्षक/उपशीर्षक बनाना, तथा स्पष्ट आरंभ और अंत वाले अनुच्छेद लिखना।	**मूल्य ग्रहण करना** बच्चे 'सबको आज़ाद जीने का हक है' इस मूल्य को समझकर अपने जीवन से जोड़े।	
	कविता 9: चिड़िया			DAY 4		**चोंच से चोंच** दोनों हाथ की उंगलियों से चोंच बनाओ। बगल वाले से चोंच मिलाओ और बोलो "नमस्ते चिड़िया"।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	

	कविता 9: चिड़िया			DAY 5		**दाना चुगो** सब उंगलियों से डेस्क पर 'टुक-टुक' करें जैसे चिड़िया दाना चुग रही है। आप बोलो "बिल्ली आई" → सब एकदम Freeze।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	**[ASSESSMENT FOR LEARNING]**
10	**पाठ 10: मीरा के पद**			FEBRUARY DAY 1	FEBRUARY	**गिरिधर गोपाल ताली** आप बोलो "गिरिधर" → सब 1 ताली। "गोपाल" → सब 2 ताली।	पद , दोहे , कविता में अंतर स्पष्ट करते हुए पद का पठन तथा स्पष्टीकरण , शब्दार्थ	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.2 भाषा को रोचक बनाने के लिए तुक, अनुप्रास, शब्द-खेल आदि का उपयोग करता है।	**सस्वर गायन/वाचन कौशल** बच्चे पदों को भजन की लय और उचित भाव-भंगिमा के साथ सस्वर गा/पढ़ पाए।	
	पाठ 10: मीरा के पद			DAY 2		**चरणों में शीश** सब अपनी हथेली ज़मीन की तरफ करें = चरण। फिर सिर झुकाकर हथेली को छुएं = प्रणाम।	पद द्वारा समाज में किए जाने वाले परिवर्तन का वर्णन तथा पदों का पठन, स्पष्टीकरण	CG-2 सामाजिक घटनाओं (जैसे गाँव के मेले, त्योहार, अवसर आदि) से जुड़े विचारों, भावनाओं और अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता विकसित करता है।	C-2.2 अपने परिवेश के विभिन्न पहलुओं पर अनुभव, भावनाएँ और विचार लिखित रूप में व्यक्त करता है।	**भक्ति-कालीन काव्य से परिचय** बच्चे समझ पाए कि मीरा सगुण भक्ति धारा की कवयित्री थीं और उनके पदों में प्रेम, समर्पण और विरह की प्रधानता है।	
	पाठ 10: मीरा के पद			DAY 3		**एकतारा हिलाओ** काल्पनिक एकतारा हाथ में लो। सब उंगली से 'टन-टन' करके हिलाएं और धीरे-धीरे 'मीरा' बोलें।	पद द्वारा दी जाने वाली सीख तथा चर्चा - सत्र द्वारा पदों में दिए गए संदर्भ की पहचान	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**जीवन-मूल्यों से जुड़ाव** बच्चे मीरा के जीवन से आस्था, धैर्य, निडरता और एकनिष्ठ प्रेम जैसे मूल्य ग्रहण कर अपने जीवन से जोड़े।	

	पाठ 10: मीरा के पद			DAY 4		**सेकंड भक्ति** "3-2-1 में भक्ति से जुड़ा 1 शब्द बोलो" - प्रेम, त्याग, विश्वास, आराधना।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
	पाठ 10: मीरा के पद			DAY 5		**पद की धुन** सब होठों से 'हम्म-हम्म' की धुन 10 सेकंड निकालें जैसे भजन चल रहा हो। फिर चुटकी बजाकर चुप।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	**[ASSESSMENT OF LEARNING]**

UNIT		Topic	Sub-Topic	Month		Suggested Ice-Breaking Activity	Teaching Pedagogy	Curricular Goals	Competency	Expected Learning Outcome	Assessment
No.	Name			Starting	Closing						
01	भाषा और व्याकरण			JULY DAY 1	JULY	**एक्शन-क्रिया** टीचर 1 क्रिया बोले: "हँसना" → पूरी क्लास 5 सेकंड एक्टिंग करे। फिर "लिखना", "कूदना"।	विभिन्न भाषा ,व्याकरण से चलने वाले शब्द, वाक्य में होने वाले बदलाव का स्पष्टीकरण तथा पाठ का पठन	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.4 विभिन्न प्रकार की पुस्तकों को चुनकर पढ़ने में रुचि दिखाता है।	**शुद्ध भाषा का प्रयोग** - छात्र दैनिक बातचीत और लेखन में व्याकरण के नियमों के अनुसार करता है।	

	भाषा और व्याकरण			DAY 2		**अंतिम अक्षर, प्रथम अक्षर** टीचर: "कमल" → बच्चा: "ल" से शुरू: "लड़का" → अगला: "का" से: "कागज़"। 1 मिनट में जितनी चेन बने।	उदाहरण के साथ भाषा का स्पष्टीकरण, व्याकरण के नियमों का स्पष्टीकरण तथा लेखन कार्य	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**शब्द-भेद की पहचान -** छात्र वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण आदि को पहचानकर उनका नाम बताता है।	
02	वर्ण-विचार			JULY DAY 1	JULY	**ताली-वर्ण गिनती** टीचर बोले: "कमल" → बच्चे हर वर्ण पर ताली: क-म-ल = 3 ताली। फिर "विद्यालय" → वि-द्या-ल-य = 4 ताली। 1 मिनट में 4-5 शब्द।	ध्वनियों द्वारा वर्ण का उच्चारण तथा शब्दों का निर्माण , वर्णों का शब्द और वाक्य में बदलाव	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**वर्णों की पहचान व उच्चारण -** छात्र हिंदी के सभी स्वर 'अ से अः' और व्यंजन 'क से ज्ञ' को पहचानकर शुद्ध उच्चारण करता है।	
	वर्ण-विचार			DAY 2		**स्वर-व्यंजन मुकाबला** टीचर बोले: "अ" → बच्चे हाथ ऊपर = स्वर। "क" → हाथ नीचे = व्यंजन। रैंडम बोलो: आ, प, इ, म, उ	स्वर व्यंजनों में अंतर स्पष्ट ,संयुक्त व्यंजनों की बनावट पर स्पष्टीकरण तथा शब्द का निर्माण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.2 भाषा को रोचक बनाने के लिए शब्द-खेल आदि का उपयोग करता है।	**शब्द निर्माण** - छात्र वर्णों को जोड़कर सार्थक शब्द बना सके और शब्दों को तोड़कर वर्ण अलग कर सके।	

	वर्ण-विचार			DAY 3		**अनुस्वार-अनुनासिक एक्शन** टीचर बोले: "गंगा" → बच्चे नाक पर उंगली = अनुस्वार। "हँसना" → मुँह से हवा = अनुनासिक। "पंख" "चाँद" करवाओ।	लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
03	शब्द विचार			JULY DAY 1	JULY	**एक-अनेक मुकाबला** टीचर बोले: "लड़का" → लड़के हाथ खड़े करें। "लड़के" → लड़कियाँ खड़ी हों। फिर "किताब-किताबें", "पत्ता-पत्ते"।	वर्णों से शब्द का निर्माण ,सार्थक तथा निरर्थक शब्दों में अंतर उदाहरण द्वारा	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**शब्द-भेद की पहचान -** छात्र वाक्य में आए शब्दों को संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया आदि में वर्गीकृत कर सके।	
	शब्द विचार			DAY 2		**उपसर्ग हटाओ-जोड़ो** टीचर बोले: "अन्याय" → बच्चे बताएँ: "अ + न्याय"। फिर "उप" + "हार" = "उपहार"। 3-4 शब्द 1 मिनट में।	वर्ण - विच्छेद ,वर्ण संयोजन तथा शब्दों का वाक्य में सही उपयोग इसका स्पष्टीकरण, लेखन कार्य	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**संदर्भ में शब्दों का प्रयोग -** छात्र एक ही शब्द के अलग-अलग अर्थ समझकर वाक्य में सही प्रयोग कर सके।	

21	रचनात्मक-लेखन अनुच्छेद लेखन			JULY DAY 1	JULY	टीचर बोले: "मेरा प्रिय खेल" → बच्चे 10 सेकंड आँख बंद करके सोचें → फिर 1 शब्द चिल्लाएँ जो दिमाग में आया: क्रिकेट, दौड़, हँसी।	अनुच्छेद लेखन के नियमों का वर्णन तथा लेखन प्रक्रिया का ज्ञान देना, लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	उद्देश्य के अनुसार लेखन समझते है कि सूचना देने के लिए, निवेदन के लिए, कल्पना करने के लिए अलग-अलग तरह से लिखते है।	
04	शब्द भंडार पर्यायवाची/ समानार्थी शब्द			AUGUST DAY 1	AUGUST	**ताली-मैच गेम** टीचर 2 शब्द बोले: "पेड़-वृक्ष" → बच्चे 1 ताली = सही जोड़ी। "पेड़-नदी" → चुप = गलत जोड़ी। तेज़ी से 5 जोड़ी: अग्नि-आग, हवा-पवन, रात-निशा।	समानार्थी - पर्यायवाची शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उदाहरण के साथ वाक्य के साथ स्पष्टीकरण ,चर्चा - सत्र द्वारा पाठ का पठन तथा लेखन	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**पहचान व स्मरण** छात्र सामान्य प्रयोग में आने वाले शब्दों के 2-3 पर्यायवाची शब्द पहचान सके और याद रख सके।	
	विलोम शब्द/ विपरीतार्थक शब्द			DAY 2		**एक्शन उल्टा-पुल्टा** टीचर बोले: "हँसना" → बच्चे रोने की एक्टिंग करें। "बैठना" → खड़े हो जाएँ। "रोशनी" → आँख बंद। "जीत" → उदास मुँह।	उलट अर्थ वाले शब्दों का स्पष्टीकरण उदाहरण के साथ, विपरीतार्थक वाक्य बनाने का अभ्यास, पाठ का स्पष्टीकरण तथा लेखन	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**अर्थ -भेद की समझ** छात्र समझ सके कि सभी विलोम एक जैसे नहीं होते, संदर्भ के हिसाब से उपयुक्त शब्द चुन सके।	

	वाक्यांशों/अनेक शब्दों के लिए एक शब्द			DAY 3		**पहेली बूझो** टीचर बोले: "जो कभी न मरे" → बच्चे चिल्लाएँ: "अमर"। फिर "जो पढ़ाता है - अध्यापक", "जिसे जीत न सके - अजेय", "माँस न खाने वाला - शाकाहारी"।	अनुभव आधारित : जैसे सोने के गहने बनाने वाला - सोनार उदाहरण के साथ स्पष्टीकरण विधि तथा लेखन	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**समझना व पहचानना -** छात्र लंबे वाक्यांश को सुनकर/पढ़कर उसके लिए सही एक शब्द पहचान सके।	
	अनेकार्थी/अनेकार्थक शब्द			DAY 4		**वाक्य से पहचानो** टीचर 2 छोटे वाक्य बोले: "1. आम खाओ" "2. आम लोग आए" → बच्चे चिल्लाएँ: शब्द क्या था? "आम"। फिर "पानी का पत्र" और "चिट्ठी का पत्र" → "पत्र"।	एक ही शब्द के अनेक अर्थ - उदाहरण द्वारा प्रस्तुत करना , पाठ का स्पष्टीकरण तथा लेखन	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**अर्थ समझना व पहचानना -** छात्र सामान्य आर्थिक शब्दों जैसे मुद्रास्फीति, बजट, आयात-निर्यात, जीडीपी, बचत का अर्थ समझकर उन्हें पहचान सके।	
	श्रुतिसम-भिन्नार्थक शब्द			DAY 5		**कान खोलो - अर्थ बोलो** टीचर जोड़ी बोले: "दिन-दीन" → बच्चे तेज़ी से बताएँ: "दिन = Day", "दीन = गरीब"। फिर "अनल-अनिल" → "अनल = आग", "अनिल = हवा"। "सुत-सूत"	श्रुतिसम शब्दों को सुनकर उनके उच्चारण में सूक्ष्म अंतर स्पष्ट करना , पाठ का उदाहरण के साथ स्पष्टीकरण तथा लेखन कार्य	CG-6 चिंतनशीलता और तार्किकता को बढ़ावा।	C-6.1सिर्फ 'लिखना आना' नहीं, बल्कि 'सोचकर, चुनकर, सुधारकर, खुद होकर लिखना' आना है।	**सुनकर अंतर पहचानना -** छात्र दो श्रुतिसम शब्दों को सुनकर उनके उच्चारण में सूक्ष्म अंतर पहचान सके।	

	समूहवाची शब्द			DAY 6		**"झुंड का नाम बताओ"** टीचर बोले: "शेर बहुत सारे हों तो?" → बच्चे चिल्लाएँ: "झुंड"। फिर "मछली - टोली", "अंगूर - गुच्छा", "सैनिक - सेना", "पुस्तक - ढेर", "मधुमक्खी - छत्ता"।	समूहवाचक शब्द देखने में एकवचन लगता है पर अर्थ में बहुवचन होता है इसका स्पष्टीकरण तथा लेखन।	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**परिभाषा समझना** छात्र बता सके कि जो शब्द किसी समूह, झुंड या समुदाय का बोध कराए उसे समूहवाचक संज्ञा कहते हैं।	
	शब्द-युग्म			DAY 7		**वाक्य में फर्क दिखाओ** टीचर 2 वाक्य बोले: "1. मेरे कुल के लोग आए" "2. नदी का कूल सुंदर है" → बच्चे बताएँ: युग्म क्या था? "कुल-कूल"। फिर "राजा का निधन हुआ" और "वह निर्धन है"।	शब्द-युग्म में मात्रा, आधा अक्षर या पूरा वर्ण का अंतर होता है इसका स्पष्टीकरण , लेखन कार्य	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**परिभाषा समझना** छात्र बता सके कि उच्चारण में समान पर अर्थ में भिन्न शब्दों को शब्द-युग्म कहते हैं।	
21	उद्घोष / नारा लेखन			AUGUST DAY 1	AUGUST	**अधूरा नारा पूरा करो** टीचर अधूरा नारा बोले: "पढ़ेगा इंडिया तभी तो..." → बच्चे पूरा करें: "बढ़ेगा इंडिया!" फिर "पेड़ लगाओ..." → "जीवन बचाओ", "मतदान करो..." → "देश महान बनाओ"।	कठिन शब्दों की जगह आम बोलचाल के शब्दों से नारा लिखना, लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**उद्देश्य समझना** - छात्र बता सके कि नारा लोगों को जागरूक करने, प्रेरित करने या किसी अभियान के लिए लिखा जाता है।	

21	ई - मेल लेखन			AUGUST DAY 1	AUGUST	**विषय से Subject बनाओ** टीचर बोले: "स्कूल की छुट्टी चाहिए" → बच्चे 5 सेकंड में चिल्लाएँ Subject Line: "Application for Leave" या "छुट्टी हेतु प्रार्थना"। फिर "फीस जमा करने की तारीख बढ़वानी है" → "Request for Fee Extension"।	To → Cc/Bcc → Subject → Salutation → Body → Closing → Signature प्रारूप का स्पष्टीकरण लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**प्रकार पहचानना -** छात्र औपचारिक ईमेल और अनौपचारिक ईमेल में फर्क बता सके।	**[ASSESSMENT AS LEARNING]**
05	शब्द रचना उपसर्ग			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**तोड़ो और जोड़ो** टीचर शब्द बोले: "अनुचित" → बच्चे तेज़ी से बताएँ: "अनु + उचित"। फिर "अध्यक्ष - अधि + अक्ष", "निडर - निर् + डर", "प्रत्येक - प्रति + एक"।	मूल शब्दों को उपसर्ग को जोड़ना तथा अलग करना ,स्पष्टीकरण ,लेखन	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**परिभाषा समझना** छात्र बता सके कि शब्द के आगे जुड़कर नया अर्थ देने वाले शब्दांश को उपसर्ग कहते हैं।	
	उपसर्ग			DAY 2		**उपसर्ग चिपकाओ** - नया शब्द बनाओ टीचर बोर्ड पर मूल शब्द लिखे: "हार" → बोले "पर" लगाओ → बच्चे चिल्लाएँ: "प्रहार"। फिर "मान - अपमान", "योग - वियोग", "कार - सरकार"। टीचर उपसर्ग बोले, बच्चे शब्द बनाएँ।	संज्ञा ,विशेषण से प्रत्यय को जोड़कर नए शब्दों का स्पष्टीकरण	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**उपसर्ग-प्रत्यय में अंतर** छात्र बता सके कि उपसर्ग आगे लगता है, प्रत्यय पीछे।	

	प्रत्यय			DAY 3		**तत्सम से तद्भव** - फटाफट टीचर बोले: "अग्नि" → बच्चे 2 सेकंड में चिल्लाएँ: "आग"। फिर "कृष्ण-कान्हा", "रात्रि-रात", "दुग्ध-दूध"।	मूल शब्दों को प्रत्यय को जोड़ना तथा अलग करना ,स्पष्टीकरण ,लेखन	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**परिभाषा समझना** छात्र बता सके कि शब्द के अंत में जुड़कर नया अर्थ देने वाले शब्दांश को प्रत्यय कहते हैं।	
	प्रत्यय			DAY 4		**ताली गलत पर** टीचर जोड़ी बोले: "हाथ-हस्त" → सही है, चुप रहो। "पानी-पय" → गलत है, ताली बजाओ। क्योंकि "पानी" तद्भव है, पर "पय" का तद्भव "पेय" नहीं "दूध" होता है। फिर "आँख-अक्षि", "कान-कर्ण" करवाओ।	संज्ञा ,विशेषण से प्रत्यय को जोड़कर नए शब्दों का स्पष्टीकरण	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**नए शब्द बनाना** - छात्र दिए गए मूल शब्द में सही प्रत्यय लगाकर नया शब्द बना सके।	

	समास			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**जोड़ो और बनाओ** टीचर 2 शब्द दे: "लंबा + उदर" → बच्चे जोड़ें: "लंबोदर"। फिर "तीन + लोक = त्रिलोक",	समस्त पद का विग्रह करना ,शब्दों के मेल से सामासिक शब्द बनाना, स्पष्टीकरण ,लेखन	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**परिभाषा समझना** छात्र बता सके कि दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से नया सार्थक शब्द बनना समास कहलाता है।	
	समास			DAY 2		**सही-गलत ताली** टीचर बोले: "गंगाजल = गंगा का जल, तत्पुरुष" → सही है, ताली। "दशानन = दस हैं आनन जिसके, द्वंद्व" → गलत है, चुप।	समास के भेद का वर्णन करना तथा स्पष्टीकरण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**समास-विग्रह करना** छात्र समस्त पद को तोड़कर उसका अर्थ खोल सके।	

	समास			DAY 3		**नाम बताओ समास का** टीचर बोले: "दाल-रोटी" → बच्चे चिल्लाएँ: "द्वंद्व"। "नीलकंठ" → "बहुव्रीहि"। "चौराहा" → "द्विगु"।	लंबे वाक्यांश के लिए नए शब्द का स्पष्टीकरण तथा लेखन	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**भेद का अंतर करना -** छात्र बता सके कि किस समास में कौन-सा पद प्रधान है।	
06	संधि			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**"जोड़ो तो क्या बने?"** टीचर 2 टुकड़े बोले: "सूर्य + उदय" → बच्चे 2 सेकंड में चिल्लाएँ: "सूर्योदय"। फिर "महा + ईश = महेश",	दो वर्णों के मेल से हुए विकार को संधि कहते हैं इसका स्पष्टीकरण ।	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**परिभाषा समझना** छात्र बता सके कि दो वर्णों के मेल से हुए विकार को संधि कहते हैं।	

	संधि			DAY 2		**सही-गलत थपकी** टीचर बोले: "देव + आलय = देवालय" → सही है, टेबल थपथपाओ। "कवि + इंद्र = कविंद्र" → गलत है, चुप। सही है "कवींद्र"। फिर "रमा + ईश = रमेश"	संधि के नियम तथा भेद का स्पष्टीकरण	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**संधि-विच्छेद करना** छात्र जुड़े हुए शब्द को तोड़कर मूल शब्द अलग कर सके।	
	संधि			DAY 3		**संज्ञा पकड़ो** **टीचर तेज़ी से** वाक्य बोले: "राम आम खाता है" → बच्चे संज्ञा शब्द पर ताली: "राम" ताली, "आम" ताली। "गंगा का पानी ठंडा है" → "गंगा" ताली, "पानी" ताली।	संधि ,समास में अंतर स्पष्ट करना ।	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.3 विभिन्न पाठों के मुख्य विचार को पहचानता और उसकी सराहना करता है।	**मुख्य भेद जानना** छात्र स्वर संधि, व्यंजन संधि, विसर्ग संधि के नाम और पहचान बता सके।	

	संधि			DAY 4		**नाम बताओ संधि का** टीचर बोले: "महेश" → बच्चे चिल्लाएँ: "गुण संधि"। "सूर्योदय" → "गुण संधि"। "सदैव" → "वृद्धि संधि"।	मुख्य भेद के साथ नाम और संधि की पहचान करवाना ,स्पष्टीकरण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**अंतर करना -** छात्र संधि और समास में फर्क बता सके कि संधि वर्ण-मेल है, समास शब्द-मेल है।	
21	पत्र लेखन (अनौपचारिक पत्र)			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**पत्र पर आधारित गाने बताए।**	विषय से संबंधित प्रारूप नुसार पत्र का स्पष्टीकरण तथा लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**उद्देश्य समझना -** छात्र बता सके कि अनौपचारिक पत्र दोस्तों, रिश्तेदारों को हाल-चाल, बधाई, निमंत्रण देने के लिए लिखते हैं।	
21	संवाद लेखन			SEPTEMBER DAY 1	SEPTEMBER	**वाक्य पूरा करो संवाद में** टीचर बोले: A: "कल तुम स्कूल क्यों नहीं आए?" → बच्चे B बनकर जवाब दें: "बुखार था सर!" फिर A: "पानी क्यों बर्बाद कर रहे हो?" → B: "सॉरी आंटी, नल बंद करता हूँ।	नियम नुसार संवाद का स्पष्टीकरण तथा विषय पर आधारित लेखन का ज्ञान देना। लेखन कार्य	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**उद्देश्य समझना -** छात्र बता सके कि संवाद का मकसद विचार-विनिमय, सूचना देना या मनोरंजन करना है।	**[ASSESSMENT FOR LEARNING]**

07	संज्ञा			OCTOBER DAY 1	OCTOBER	**नाम है किसका?** टीचर बोले: "व्यक्ति" → बच्चे चिल्लाएँ कोई 3 नाम: "राम, सीता, मोहन"। "स्थान" → "दिल्ली, स्कूल, बगीचा"। "वस्तु" → "किताब, पेन, कुर्सी"। "भाव" → "ईमानदारी, खुशी, गुस्सा"।	संज्ञा का लिंग ,वचन के साथ स्पष्टीकरण तथा भेद का स्पष्टीकरण	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**पहचान करना -** छात्र वाक्य में व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव के नाम वाले शब्द यानी संज्ञा पहचान सके।	
	संज्ञा			DAY 2		**गिनती हो पाएगी या नहीं?** टीचर शब्द बोले: "सेब" → बच्चे चिल्लाएँ: "गिन सकते" + 2 ताली। "पानी" → "नहीं गिन सकते" + चुप। "लड़का-गिन सकते", "दूध-नहीं गिन सकते"।	संज्ञा का भाववाचक संज्ञा तथा विशेषण में बदलाव करना , लेखन कार्य।	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**भाववाचक संज्ञा बनाना -** छात्र विशेषण, क्रिया, सर्वनाम से भाववाचक संज्ञा बना सके।	
	लिंग			OCTOBER DAY 1	OCTOBER	**लड़का या लड़की - हाथ उठाओ** टीचर शब्द बोले: "राजा" → लड़के हाथ उठाएँ। "रानी" → लड़कियाँ हाथ उठाएँ। "नदी" → लड़कियाँ, "पहाड़" → लड़के। फिर "अध्यापक-अध्यापिका", "शेर-शेरनी", "बेटा-बेटी"।	लिंग के दो भेद का स्पष्टीकरण ,लिंग नुसार वाक्य परिवर्तन का ज्ञान देना। लेखन कार्य	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**वाक्य में मेल -** छात्र कर्ता के लिंग के अनुसार क्रिया, विशेषण और सर्वनाम का लिंग सही रख सके।	

	वचन			OCTOBER DAY 1	OCTOBER	**एक का अनेक बनाओ** टीचर एकवचन बोले: "पत्ता" → बच्चे चिल्लाएँ: "पत्ते"। "घोड़ा-घोड़े", "बिल्ली-बिल्लियाँ", "कलम-कलमें", "दरवाज़ा-दरवाज़े"।	वचन को पहचाना ,भेद समझना , रूप बदलना तथा वाक्य परिवर्तन करने का ज्ञान देना , स्पष्टीकरण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**वाक्य में प्रयोग -** छात्र कर्ता के वचन के अनुसार क्रिया और विशेषण का वचन सही रख सके।	
	कारक			OCTOBER DAY 1	OCTOBER	**चिन्ह पकड़ो** - कारक बोलो टीचर वाक्य बोले: "राम ने रावण को मारा" → बच्चे चिन्ह पहचानें: "ने" सुना तो चिल्लाएँ "कर्ता कारक"। "सीता के लिए फल लाओ" → "के लिए" = "संप्रदान कारक"। "पेड़ से पत्ता गिरा" → "से" = "अपादान कारक"।	वाक्य बनाना - कारक चिह्न से सही वाक्य बनाना तथा कारक का स्पष्टीकरण करना।	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**पहचान करना -** छात्र वाक्य में संज्ञा/सर्वनाम का क्रिया से क्या संबंध है, यह पहचान सके।	
	कारक			DAY 2		**सवाल पूछो - जवाब पाओ** टीचर वाक्य दे: "मोहन ने गेंद से काँच तोड़ा"। फिर पूछे: "किसने तोड़ा?" → बच्चे: "मोहन ने" = कर्ता कारक। "किससे तोड़ा?" → "गेंद से" = करण कारक। "क्या तोड़ा?" → "काँच" = कर्म कारक।	कारक के चिन्हों से वाक्य का शुद्धिकरण करना तथा लेखन कार्य।	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**वाक्य बनाना -** छात्र दिए गए कारक चिह्न से सही वाक्य बना सके।	

21	विज्ञापन लेखन			OCTOBER DAY 1	OCTOBER	**सही या गलत - हाथ ऊपर** टीचर 1 लाइन बोले। सही है तो हाथ ऊपर, गलत है तो हाथ क्रॉस। उदाहरण: "किताब संज्ञा है" → हाथ ऊपर। "खाना क्रिया नहीं है" → हाथ क्रॉस।	विज्ञापन का मकसद चीज बेचना, सूचना देना या जागरूक करना है इसका स्पष्टीकरण देना। लेखन कार्य	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**जरूरी जानकारी देना -** छात्र प्रोडक्ट का नाम, खासियत, कीमत, ऑफर, पता, संपर्क नंबर ज़रूरी जगह लिख सके।	**[ASSESSMENT OF LEARNING]**
08	सर्वनाम			NOVEMBER DAY 1	NOVEMBER	**व्याकरण का पिटारा** टीचर बोले: "व्याकरण में क्या-क्या आता है?" बच्चे 1-1 शब्द चिल्लाएँ: "संज्ञा", "सर्वनाम", "क्रिया", "लिंग", "वचन", "संधि", "समास"। जो शब्द बोले उस पर सब ताली।	नाम के स्थान पर सर्वनाम का उपयोग करवाना , नियम ज्ञात करवाना।	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**पहचान करना -** छात्र वाक्य में संज्ञा के बदले आए शब्द यानी सर्वनाम पहचान सके।	
	सर्वनाम			DAY 2		**भेद बताओ -** उंगली गिनाओ टीचर बोले: "संज्ञा के कितने भेद?" → बच्चे उंगली पर गिनें: "5" और नाम बोलें: "व्यक्ति, जाति, भाव, समूह, द्रव्य"। "लिंग के भेद?" → "2" + "पुल्लिंग, स्त्रीलिंग"। "वचन के भेद?" → "2" + "एकवचन, बहुवचन"।	सर्वनाम के भेद को उदाहरण के साथ स्पष्ट करना , लेखन कार्य।	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**प्रयोग का कारण -** छात्र समझ सके कि सर्वनाम संज्ञा की पुनरावृत्ति रोकने के लिए यूज़ होता है।	

09	विशेषण			NOVEMBER DAY 1	NOVEMBER	**कैसा है? बोलो फटाफट** टीचर बोले: "आम" → बच्चे चिल्लाएँ: "मीठा, पीला, रसीला"। "बिल्ली" → "काली, छोटी, चालाक"। "स्कूल" → "बड़ा, साफ, सुंदर"।	**पहचान करना -** वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द यानी विशेषण की पहचान करवाना , स्पष्टीकरण तथा लेखन।	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**विशेष्य से संबंध -** छात्र बता सके कि विशेषण किस संज्ञा/सर्वनाम की विशेषता बता रहा है।	
	विशेषण			DAY 2		**विशेषण पकड़ो** टीचर वाक्य बोले: "लाल गुलाब महक रहा है" → बच्चे विशेषण पर ताली: "लाल" पर ताली। "पाँच लड़के खेल रहे हैं" → "पाँच" पर ताली। "ठंडा पानी पियो" → "ठंडा" पर ताली।	**लिंग-वचन-कारक अनुसार बदलना** विशेष्य के लिंग और वचन के अनुसार विशेषण का रूप बदल कर स्पष्ट करना ,लेखन कार्य	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**शुद्ध प्रयोग -** छात्र वाक्य में विशेषण को विशेष्य से पहले सही जगह लगा सके।	
21	सार लेखन			NOVEMBER DAY 1	NOVEMBER	**"1 लाइन में पूरी बात"** टीचर कोई छोटी घटना 10 सेकंड में सुनाए: "बंदर पेड़ पर चढ़ा। केले तोड़े। नीचे फेंके। खुद भी कूदा। सारे केले खा गया।" अब बच्चों से बोले: "पूरी कहानी 1 लाइन में बताओ" → बच्चे जवाब दें: "बंदर ने पेड़ पर चढ़कर केले तोड़े और खा लिए।"	**संक्षिप्त करना** - गद्यांश मूल भाव समझकर मूल पाठ का 1/3 भाग में सार लेखन लिखने के नियम ज्ञात करवाना। लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**अपने शब्दों का प्रयोग -** छात्र लेखक की पंक्तियाँ नकल न करके अपने शब्दों में सार लिख सके।	

10	क्रिया			DECEMBER DAY 1	DECEMBER	**कल-आज-कल** टीचर बोले: "पढ़ना" → बच्चे 3 काल बोलें: "कल पढ़ा, आज पढ़ता हूँ, कल पढ़ूँगा"। फिर "खाना-खाया, खाता हूँ, खाऊँगा"।	क्रिया तथा उसके भेद की जानकारी देना ,स्पष्टीकरण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**पहचान करना -** छात्र वाक्य में क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द पहचान सके।	
	क्रिया			DAY 2		**एक्शन बोलो - एक्शन करो** टीचर बोले: "खाना" → पूरी क्लास खाने का एक्शन करे। "सोना" → सोने का एक्शन। "दौड़ना, लिखना, पढ़ना, हँसना, रोना, कूदना" → सब एक्शन।	सकर्मक ,अकर्मक तथा काल के नुसार बदलते क्रिया का स्पष्टीकरण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**अंतर करना -** छात्र विशेषण और क्रिया-विशेषण में फर्क बता सके।	
	क्रिया			DAY 3		**काम कौन करेगा?** टीचर वाक्य बोले: "राम फल खाता है" → बच्चे क्रिया पकड़ें: "खाता है" चिल्लाएँ। "सीता गाना गाती है" → "गाती है"। "पक्षी उड़ रहे हैं" → "उड़ रहे हैं"। 1	**शुद्ध प्रयोग** - कर्ता के लिंग, वचन, पुरुष के अनुसार क्रिया का सही रूप लिखवाना , पठन के साथ स्पष्टीकरण।	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**वाक्य बनाना -** छात्र दिए गए क्रिया-विशेषण से या भाव के अनुसार खुद वाक्य बना सके।	

11	काल			DECEMBER DAY 1	DECEMBER	**उंगली से काल बताओ** टीचर वाक्य बोले: "राम ने आम खाया" → भूत काल है तो बच्चे 1 उंगली दिखाएँ "सीता गाना गा रही है" → वर्तमान काल = 2 उंगली और "हम कल घूमेंगे" → भविष्य काल = 3 उंगली	है, था, था, होगी, रहा है, चुका है आदि सहायक क्रियाओं का सही प्रयोग करने का ज्ञान देना , समय का महत्व वाक्य में बदलाव लाता हैं इसका स्पष्टीकरण।	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**रचना बदलना -** छात्र वाक्य का काल बदल सके, अर्थ वही रहे।	
	काल			DAY 2		**टाइम मशीन -** कल आज कल टीचर बोले: "टाइम मशीन स्टार्ट। शब्द है 'जाना'। कल क्या हुआ?" → बच्चे: "कल गया"। "आज क्या हो रहा?" → "आज जाता हूँ"। "कल क्या होगा?" → "कल जाऊँगा"। फिर "खाना, पढ़ना, लिखना, खेलना"।	काल तथा उसके भेद का वर्णन करना , उदाहरण द्वारा समय के नुसार वाक्य की पहचान करने का स्पष्टीकरण।	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**संदर्भ में सही काल -** छात्र घटना के समय के अनुसार सही काल चुनकर लिख-बोल सके।	
12	अविकारी शब्द क्रियाविशेषण अव्यय			DECEMBER DAY 1	DECEMBER	**क्रिया का दोस्त"** टीचर बोले: "राम धीरे-धीरे चलता है" → "धीरे-धीरे" क्रिया 'चलता' की ख़ासियत बता रहा = क्रिया विशेषण, इस पर ताली। "वह बहुत पढ़ता है" → "बहुत" पर ताली। "बाहर जाओ, अंदर आओ, कल मिलेंगे" → "बाहर, अंदर, कल" पर ताली।	वाक्य में क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्द की पहचान करवाना ,भेद का स्पष्टीकरण , लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**अंतर करना -** छात्र विशेषण और क्रिया-विशेषण में फर्क बता सके।	

	समुच्चयबोधक अव्यय			DAY 2		**जोड़ने वाला"** टीचर 2 वाक्य दे: "राम आया। श्याम आया।" → बच्चे जोड़ें: "राम और श्याम आए"। "बारिश हुई। इसलिए फसल अच्छी हुई" → "इसलिए" पर सब उंगली उठाएँ। "पर, किन्तु, लेकिन, या, अथवा" → इन पर हाथ उठाओ।	वाक्य में 'और, तथा, एवं, लेकिन, परंतु, किंतु, या, अथवा, इसलिए, क्योंकि' जैसे समुच्चयबोधक शब्द पहचान करवाना। उदहारण द्वारा स्पष्टीकरण	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**काम बताना -** छात्र समझ सके कि समुच्चयबोधक दो शब्दों, वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ता है।	
	संबंधबोधक अव्यय			DAY 3		**"रिश्ता बताऊँ"** टीचर बोले: "पेड़ के नीचे" → "के नीचे" रिश्ता बता रहा = संबंधबोधक, इस पर पैर पटको। "छत के ऊपर, घर से बाहर, स्कूल तक" → "के ऊपर, से बाहर, तक" पर पैर पटको।	**पहचान करना -** वाक्य में 'का, के, की, में, पर, से, तक, साथ, बिना, लिए' जैसे संबंधबोधक शब्द की पहचान करवाना। उदहारण द्वारा स्पष्टीकरण	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**काम समझना** - छात्र समझ सके कि संबंधबोधक संज्ञा या सर्वनाम का वाक्य के दूसरे शब्द से संबंध बताता है।	
	विस्मयादिबोधक			DAY 4		**भाव बताओ - आवाज़ लगाओ"** टीचर सिचुएशन बोले, बच्चे विस्मयादिबोधक शब्द चिल्लाएँ। टीचर: "पेपर में 100 में 100 आए" → बच्चे: "वाह! शाबाश!" टीचर: "पैर में काँटा चुभ गया" → बच्चे: "हाय! उफ़!" राम!"	**पहचान करना** - वाक्य में हर्ष, शोक, आश्चर्य, घृणा, प्रशंसा का भाव पहचानकर बताना कि ये विस्मयादिबोधक वाक्य है। स्पष्टीकरण विधि	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**अव्यय शब्द जानना -** छात्र अहा, वाह, शाबाश, छिः, अरे, हाय जैसे विस्मयादिबोधक अव्यय शब्दों को वाक्य में पहचान सके।	

	निपात			DAY 5		"**ज़ोर देने वाले"** टीचर बोले: "मैं तो जाऊँगा ही" → "तो, ही" पर बच्चे ज़ोर से बोलें। "आप भी आइए, केवल राम आया" → "भी, केवल" पर ज़ोर। "मात्र, भर, तक" वाले 8 वाक्य	**निपात की पहचान** - वाक्य में 'ही, भी, तो, तक, मात्र, भर, केवल' जैसे निपात शब्द पहचान स्पष्टीकरण द्वारा करवाना। लेखन कार्य	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**अर्थ समझना -** छात्र समझ सके कि निपात वाक्य के अर्थ में जोर, सीमा, तुलना या निश्चय कैसे जोड़ते हैं।	
21	संदेश लेखन			DECEMBER DAY 1	DECEMBER	**कौन-किसको-क्या -** टीचर सिर्फ "क्या" बताए: "छुट्टी की खबर देनी है"। बच्चे फटाफट बोलें: "कौन = मॉनिटर, किसको = क्लास टीचर, क्या = आज प्रिंसिपल मैम नहीं हैं इसलिए छुट्टी"।	**स्पष्टता व पूर्णता** संदेश में कौन, क्या, कब, कहाँ, क्यों ये सारी जानकारी देना ,लेखन कार्य	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**प्रारूप समझना -** छात्र संदेश लिखते समय दिनांक, समय, किसके लिए, किससे, विषय और मुख्य बात सही क्रम में लिख सके।	
21	सूचना लेखन			DECEMBER DAY 1	DECEMBER	**ताली का तूफान** टीचर बोले: "आज का टॉपिक सुनते ही जोश में हो?" → सब 5 सेकंड तक फुल ताली। फिर "1-2-3" पर "Yes मैम!" चिल्लाओ।	सूचना लेखन का प्रारूप समझाना , कम लिखना, साफ लिखना, शुद्ध लिखने का ज्ञान करवाना , लेखन कार्य	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**प्रारूप समझना** - छात्र सूचना के 5 अंग: शीर्षक 'सूचना', जारीकर्ता, दिनांक, विषय, हस्ताक्षर सही क्रम में लिख सके।	

13	पद परिचय			JANUARY DAY 1	JANUARY	**एक शब्द परिचय** टीचर बोले: "अपने बारे में 1 शब्द लिखो"। बच्चे लिखें: "शरारती, होशियार, चुपचाप, मददगार"। फिर सबकी कॉपी दिखाएँ।	शब्द का पूरा पद-परिचय देना, पद, भेद, लिंग, वचन, कारक, क्रिया का काल में अंतर करवाना ।	CG-2 सामाजिक घटनाओं (जैसे गाँव के मेले, त्योहार, अवसर आदि) से जुड़े विचारों, भावनाओं और अनुभवों के बारे में लिखने की क्षमता विकसित करता है।	C-2.2 अपने परिवेश के विभिन्न पहलुओं पर अनुभव, भावनाएँ और विचार लिखित रूप में व्यक्त करता है।	**शुद्ध प्रयोग** - छात्र लिखते-बोलते समय पदों का सही प्रयोग करे, विशेषण-संज्ञा व क्रिया-कर्ता का मेल ठीक रखे।	
14	वाच्य			JANUARY DAY 1	JANUARY	**Thumbs Up Check** टीचर बोले: "आज मूड कैसा?" → सब Thumbs Up दिखाएँ और "All Good!" बोलें।	**वाच्य की पहचान** स्पष्टीकरण द्वारा वाच्य की पहचान करवाना।	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**वाच्य परिवर्तन** - छात्र कर्तृवाच्य को कर्मवाच्य में और कर्मवाच्य को कर्तृवाच्य में बदल सके, अर्थ वही रहे।	**[ASSESSMENT AS LEARNING]**
	वाच्य			DAY 2		**3-2-1 Go** टीचर बोले: "3-2-1" → सब साथ में बोलें: "Let's Go!" और मुट्ठी हवा में।	**तीनों वाच्य का अंतर समझना:** कर्तृ = कर्ता प्रधान, कर्म = कर्म प्रधान, भाव = क्रिया प्रधान।	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**सहायक क्रिया का सही प्रयोग -** छात्र कर्मवाच्य व भाववाच्य बनाते समय 'जाना, देना' आदि सहायक क्रिया और क्रिया के लिंग-वचन कर्म के अनुसार बदल सके।	

15	वाक्य			JANUARY DAY 1	JANUARY	**High-Five हवा में** सब अपने बगल वाले को देखकर हवा में High-Five करें और बोलें "We got this!"	**वाक्य के अंग पहचानना ,** वाक्य में कर्ता, कर्म, क्रिया पहचानना ।	CG-1 विभिन्न प्रकार के पाठों (कहानियाँ, कविताएँ, नाटक के अंश, निबंध, लेख और समाचार रिपोर्ट) के साथ संलग्न होकर स्वतंत्र पठन, समझ और सार-संक्षेपण कौशल का विकास करता है तथा पुस्तकों को पढ़ने में रुचि दिखाता है।	C-1.1 विभिन्न बोध रणनीतियों (जैसे अनुमान, पूर्वानुमान आदि) का प्रयोग करके अलग-अलग पाठों को समझता है।	**शुद्ध वाक्य बनाना** छात्र दिए गए शब्दों से व्याकरण के नियमों के अनुसार लिंग, वचन, कारक मिलाकर सही वाक्य बना सके।	
	वाक्य			DAY 2		**नाम + एक्शन** हर बच्चा अपना नाम + 1 एक्शन: "रवि" + ताली, "सीमा" + नमस्ते। पूरी क्लास 30 सेकंड में।	रचना के आधार पर सरल, संयुक्त, मिश्र वाक्य और अर्थ के आधार पर विधानवाचक, प्रश्नवाचक, आज्ञावाचक, विस्मयादिबोधक वाक्य में अंतर करवाना ।	CG-3 प्रश्न पूछने, वर्णन करने, विश्लेषण करने और प्रतिक्रिया देने के लिए भाषा कौशल का प्रभावी उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-3.1 विभिन्न प्रकार के पत्र और निबंध लिखता है तथा अलग-अलग उद्देश्यों और पाठकों के अनुसार उचित शैली और भाषा का प्रयोग करता है।	**अशुद्धि शोधन -** छात्र वाक्य में पदक्रम, अन्वय, क्रिया की गलती पकड़कर शुद्ध कर सके।	
16	वर्तनी एवं वाक्य-रचना संबंधी सामान्य अशुद्धियों			JANUARY DAY 1	JANUARY	**सामान्य अशुद्धियाँ** "डॉक्टर-डॉक्टर" टीचर गलत वाक्य बोले: "मैंने खाना खाया" → बच्चे डॉक्टर बनकर ठीक करें: "मैंने खाना खा लिया"। "वह स्कूल गया था" सही है, तो सब "ठीक है" बोलें।	शब्द/वाक्य में मात्रा, वर्ण, चंद्रबिंदु, र/ड़, श/स जैसी वर्तनी की गलती पहचाना ।अशुद्ध शब्द व वाक्य को शुद्ध करके लिखवाना।	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**शुद्ध प्रयोग** - छात्र रोज़ की बोलचाल व लेखन में शुद्ध वर्तनी और व्याकरण-सम्मत वाक्य का प्रयोग कर सके।	

21	डायरी लेखन			JANUARY DAY 1	JANUARY	**"सुनो-समझो-बोलो"** टीचर 2 लाइन की कहानी बोले: "एक कौवा प्यासा था। घड़े में पानी कम था।" फिर पूछे: "कौन प्यासा था?" → सब: "कौवा!" "पानी कहाँ था?" → "घड़े में!"	डायरी लेखन के नियमों का ज्ञान करवाना तथा नियम अनुसार लेखन कार्य करवाना , लेखन कार्यछात्र दिन में घटी घटनाओं के बारे में अपनी खुशी, दुख, डर, उत्साह जैसे भाव ईमानदारी से लिख सके।	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**प्रारूप समझना -** छात्र डायरी लिखते समय दिन, दिनांक, वार, समय और संबोधन जैसे 'प्रिय डायरी' लिखना सीखे।	
21	निबंध लेखन			JANUARY DAY 1	JANUARY	**शब्द की रूपरेखा"** टीचर टॉपिक दे: "मेरा स्कूल"। बच्चे 3 शब्द में रूपरेखा बोलें: "1. इमारत, 2. टीचर, 3. दोस्त"। फिर "दीवाली" → "1. त्योहार, 2. दीये, 3. खुशी"।	दिए हुए विषयों पर सही साहित्यिक भाषा में लेखन कार्य करने का ज्ञान देना तथा नियम के अनुसार निबंध लेखन का कार्य करवाना , लेखन कार्य	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.1 भाषा की ध्वन्यात्मकता और लिपि को समझता है, स्वरों और व्यंजनों की संख्या तथा उनके प्रयोग को जानता है।	**विचारों का संकलन** छात्र दिए गए विषय पर अपने अनुभव, ज्ञान और कल्पना से 8-10 मुख्य बिंदु सोचकर लिख सके।	**[ASSESSMENT AS LEARNING]**
17	विराम-चिन्ह			FEBRUARY DAY 1	FEBRUARY	"साँस का खेल" टीचर वाक्य बोले: "रुको मत जाओ" → बिना रुके पढ़ो तो मतलब गलत। फिर बोले: "रुको, मत जाओ" → अल्प विराम पर 1 सेकंड रुको। "क्या तुम आओगे?" → प्रश्नवाचक पर आवाज़ ऊपर। "वाह! क्या बात है।" → विस्मयादिबोधक पर जोश।	विराम चिन्हों के नाम के साथ उनका उपयोग करने का ज्ञान देना तथा वाक्य में चिन्हों का उपयोग करने का ज्ञान तथा स्पष्टीकरण	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**शुद्ध वाचन करना -** छात्र विराम-चिह्नों को ध्यान में रखकर उतार-चढ़ाव के साथ पढ़ सके ताकि भाव सही निकले।	

18	मुहावरे			FEBRUARY DAY 1	FEBRUARY	**मुहावरे: "एक्टिंग करो"** टीचर बोले: "नाक में दम करना" → 1 बच्चा नाक पकड़कर परेशान होने की एक्टिंग करे। "आग बबूला होना" → गुस्से वाला मुँह बनाए। "ईद का चाँद होना" → छुप जाए फिर दिखे।	मुहावरों का पठन तथा अर्थ के साथ स्पष्टीकरण , मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करने का ज्ञान देना।	CG-6 भाषा की विशिष्ट विशेषताओं (जैसे वर्णमाला, लिपि, ध्वनियाँ, तुक, शब्द खेल आदि) की सराहना विकसित करता है।	C-6.3 भाषा के प्रमुख शब्द-खेलों (जैसे पालिंड्रोम, स्पूनरिज़्म, बिना कुछ अक्षरों वाले वाक्य आदि) से परिचित होता है।	**अर्थ समझना -** छात्र प्रचलित मुहावरों का शाब्दिक अर्थ छोड़कर लाक्षणिक/वास्तविक अर्थ समझ सके।	
19	अलंकार			FEBRUARY DAY 1	FEBRUARY	"**जैसे लगो" टीचर बोले: "चाँद कैसा?"** → बच्चे चिल्लाएँ: "चाँद जैसा मुखड़ा"। "शेर कैसा?" → "शेर जैसा बहादुर"।	भाषा का उपयोग करते वक्त अलंकारों का ज्ञान देना ,कविता का अलंकार के साथ संबंध दर्शना , लेखन कार्य	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.1 गद्य, पद्य और नाटक के विभिन्न रूपों की पहचान करता है और उनकी सराहना करता है।	**काव्य-सौंदर्य समझना -** छात्र समझ सके कि अलंकार के प्रयोग से कविता/भाषा कैसे सुंदर और प्रभावशाली बनती है।	
	अलंकार			DAY 2		"**तुक मिलाओ"** टीचर बोले: "पढ़ाई..." → बच्चे तुक जोड़ें: "है भाई"। "स्कूल..." → "कूल"। "किताब..." → "लाजवाब"। 30 सेकंड नॉन-स्टॉप।	विविध भेद के साथ अलंकार का स्पष्टीकरण, पठन तथा उदाहरण द्वारा अलंकार का अभ्यास ,लेखन कार्य	CG-4 विभिन्न साहित्यिक अलंकारों और साहित्य के रूपों का अन्वेषण करता है।	C-4.2 उपमा, रूपक, मानवीकरण (अलंकार), अतिशयोक्ति और अनुप्रास जैसे साहित्यिक अलंकारों की पहचान करता है तथा उन्हें लेखन में प्रयोग करता है।	**परिभाषा व भेद समझना -** छात्र अनुप्रास, उपमा, रूपक, यमक, श्लेष जैसे मुख्य अलंकारों की परिभाषा अपने शब्दों में दे सके और अंतर कर सके।	**[ASSESSMENT FOR LEARNING]**

20	अपठित गद्यांश व पद्यांश			FEBRUARY DAY 1	FEBRUARY	**सुनो-समझो-बोलो"** टीचर 2 लाइन की कहानी बोले: "एक कौवा प्यासा था। घड़े में पानी कम था।" फिर पूछे: "कौन प्यासा था?" → सब: "कौवा!" "पानी कहाँ था?" → "घड़े में!"	तेज़ गति से पठन तथा समझने का ज्ञान देना, प्रश्न आधारित उत्तर का निर्माण करना तथा गद्यांश के घटकों को समझना , लेखन कार्य	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**बोध/समझ** - छात्र गद्यांश को पढ़कर उसका मुख्य भाव/केंद्रीय विचार अपने शब्दों में बता सके।	
21	चित्र-वर्णन			FEBRUARY DAY 1	FEBRUARY	**वाक्य रचना: "शब्द जोड़ो"** टीचर 3 शब्द दे: "राम, आम, खाया" → बच्चे वाक्य बनाएं: "राम ने आम खाया"। "बच्चे, स्कूल, जाते" → "बच्चे स्कूल जाते हैं"।	चित्र पर आधारित लेखन कार्य का ज्ञान देना , शिक्षा का ज्ञान तथा वाक्य निर्मिति वर्णन करना, लेखन कार्य	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**क्रमबद्ध वर्णन -** छात्र चित्र का वर्णन आगे-पीछे, ऊपर-नीचे या मुख्य से गौण के क्रम में कर सके।	
21	पत्र लेखन (औपचारिक पत्र)			FEBRUARY DAY 1	FEBRUARY	औपचारिक या अनौपचारिक?" - 2 शब्द बोलो: "पूज्य पिताजी" vs "सेवा में", बच्चे हाथ उठाकर बताएं कौन-सा औपचारिक है।	विषय से संबंधित प्रारूप नुसार पत्र का स्पष्टीकरण तथा लेखन।	CG-5 मूलभूत भाषाई संरचनाओं (शब्द और वाक्य संरचना) को पहचानने और उन्हें मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति में उपयोग करने की क्षमता विकसित करता है।	C-5.1 अपने लेखन में उचित व्याकरण और वाक्य संरचना का प्रयोग करता है।	**प्रकार पहचानना -** छात्र आवेदन पत्र, शिकायती पत्र, संपादक को पत्र, व्यावसायिक पत्र में फर्क बता सके।	**[ASSESSMENT OF LEARNING]**